www.ccsuniversity.ac.in, www.ccsutsmc.in

मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

स्वतंत्रता दिवस
समारोह विशेषांक

मेरठ, अगस्त 2022

चहुंओर बिखरे तिरंगे के रंग

'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' का भाव लिये विश्वविद्यालय से निकली प्रभात फेरी

दस अगस्त को विश्वविद्यालय से निकली प्रभात फेरी में जनसमूह के साथ हाथों में तिरंगा लिए आगे बढ़तीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला (ऊपर)। इस दौरान मुख्य द्वार के पास बना सेल्फी प्वाइंट (नीचे) सबके आकर्षण का केंद्र रहा। स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में सजे बच्चों (नीचे दाएं) ने भी सभी का मन मोह लिया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 10 अगस्त को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से सुबह साढ़े सात बजे शुरू हुई। प्रभात फेरी में सबसे आगे एनसीसी के कैडेट्स, विश्वविद्यालय स्थित मदन मोहन विद्या मंदिर के बच्चे तथा उसके बाद कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, प्रति कुलपति प्रो. वाई. विमला सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कमर्चारी और छात्र–छात्राएं हाथ में तिरंगा लिये मौजूद रहे।

प्रभात फेरी विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से तेजगढ़ी चौराहा होते हुए विश्वविद्यालय स्थित इंडियन बैंक के बगल वाले रास्ते से होते हुए शिक्षकों व कर्मचारियों के आवासों के बीच से गुजरी। फिर यह प्रभात फेरी दोनों महिला छात्रावास के सामने से, कुलपति आवास, वनस्पति विज्ञान विभाग और मंदिर होते हुए मुख्य द्वार पर संपन्न हुई।

बलिदानियों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहें

प्रभात फेरी के समापन पर प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव देश के वीर सपूतों तथा आजादी के आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बलिदानियों को याद करने का अवसर है। हमें उनके प्रति हमेशा कृतज्ञ रहना चाहिए क्योंकि आज हम इतने खुले वातावरण में पूर्ण आजादी के साथ रह रहे हैं, यह उन्हीं की देन है। शैक्षणिक संस्थानों की यह जिम्मेदारी है कि वह समाज के प्रत्येक वर्ग को समय–समय पर ऐसी सभी ऐतिहासिक घटनाओं से अवगत कराते रहें। हमारा विश्वविद्यालय तो क्रांतिधरा पर स्थित है, इसलिये यह जिम्मेदारी हमारे लिये और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक प्रोफेसर विघ्नेश त्यगी ने प्रभात फेरी में सम्मिलित 700 से अधिक व्यक्तियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति और प्रति कुलपति सहित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मृदुल गुप्ता, प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह, प्रोफेसर वीरपाल सिंह, प्रोफेसर एन.सी. लोहनी, प्रोफेसर बिंदु शर्मा, डॉ. अंजलि मित्तल सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। प्रभात फेरी के संयोजक डॉ. कुलदीप त्यागी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रभात फेरी से संबंधित अन्य सामग्री देखें पेज 4 पर

तिरंगे के रंग में रंगा समूचा विश्वविद्यालय

आजादी के अमृत महोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए सजाए गए विश्वविद्यालय प्रांगण की छटा देखते ही बनती है। मुख्य द्वार और शहीदों की प्रतिमाओं पर की गई सजावट को हर कोई देर तक निहारता रहता है।

ललित कला विभाग में आजादी के रंगों से सजाई रंगोली

रंगोली प्रतियोगिता में कई कॉलेज की छात्राओं ने भाग लिया

ललित कला विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, एन.ए.एस. कॉलेज मेरठ की ओर से संयुक्त रूप से चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में वृहद स्तर पर आजादी के रंगों से रंगोलियां बनाकर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। रंगोली प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया।

कुलपति ने ललित कला विभाग और संयोजिका डॉक्टर अलका तिवारी को इतने सुंदर और वृहद देशभक्ति पूर्ण आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष और 75 रंगोलियां उन शहीदों को समर्पित हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर वाई विमला तथा अति विशिष्ट अतिथि, कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलसचिव धीरेंद्र वर्मा ने ललित कला विभाग द्वारा 'आजादी के 75 वर्ष और 75 रंगोलियां' थीम पर आयोजित कार्यक्रम की भरपूर सराहना की और सभी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं दी। डॉ अलका तिवारी ने सभी का हुए तिरंगे पटके पहना कर स्वागत किया।

दो वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता के वर्ग 'ए' में एन.ए.एस. कॉलेज की छात्रा अंतिम ने प्रथम, कामिनी (ललित कला विभाग) ने द्वितीय और तुलसी पमादिया (बी.बी.एस.एस.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल बी ब्लॉक मेरठ) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दूसरे वर्ग में दीपा (ललित कला विभाग) प्रथम, भारती (एन.ए.एस. कॉलेज) द्वितीय तथा अंशी सिंह (आई.एल.पी.जी कॉलेज मेरठ) तृतीय स्थान पर रहीं।

सभी को अतिथियों ने प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. पूर्णिमा विशेष, डॉ. शालिनी एवं सुदेश कुमार का विशेष सहयोग रहा।

प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं कुलपति और अन्य अतिथियों के साथ।

शिक्षकों, छात्रों ने गांव में प्रभात फेरी निकाली

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा फहराने के अभियान को सफल बनाने के लिये चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र विश्वविद्यालय से बाहर भी जुटे रहे। विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग ने ग्राम नौरंगपुर खूंटी किला परीक्षित गढ़ मेरठ में प्रभात फेरी के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों को हर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम प्रधान लता गुर्जर एवं सावे प्रधान जी ने प्रभात फेरी को हरी झंडी देकर रवाना किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ लक्ष्मण नागर ने बताया कि प्रभात फेरी के दौरान विश्वविद्यालय की तरफ से ग्रामवासियों को तिरंगे का वितरण किया गया तथा ग्राम के सभी लोगों से अपील कि वो इस महाअभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। डॉ. दिनेश पंवार ने बताया कि हाथों में तिरंगा लिए जब विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र ग्राम में प्रभात फेरी के माध्यम से निकले तो नजारा ही अलग था।

इस मौके पर डॉ. प्रीति, रोहित शगुन, एवं ग्रामवासी पदम सिंह सचिन नागर, ऋषभ नागर रितिक नागर, जोधा राजाराम इत्यादि मौजूद रहे।

तिलक पत्रकारिता स्कूल ने गांव में लोगों को जागरूक किया

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल की ओर से भी जनजागरूता कार्यक्रम किया गया। इसके तहत ग्राम औरंगशाहपुर डिग्गी में घर–घर जाकर तिरंगा लगाया गया। इस दौरान गांव के लगभग चालीस घरों में तिरंगा लगाया गया।

इस अभियान में ग्राम वासियों ने बहुत उत्साह और उल्सास के साथ भाग लिया। इस अवसर पर तेजपाल, सुरेश, मोहन, कलवाराम, रफीक, विजयपाल, बबूल आदि के घरों पर तिरंगा लगाया गया।

इस जनजागरूकता कार्यक्रम में विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशात कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, मितेंद्र गुप्ता, राकेश कुमार आदि शिक्षक और कर्मचारियों ने भाग लिया।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादक** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **समाचार संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय सहयोगी** : श्रीमती बीनम यादव, **संपादकीय टीम** : बीजेएमसी व एमजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

बलिदानियों का स्मरण, 2100 तिरंगों का वितरण

नाटकों से जीवंत किया आजादी का संघर्ष

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में तिरंगा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं पर्यटन मंत्रालय का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण ने कहा की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले ऐसे शहीदों एवं बलिदानियों को याद किया जा रहा है। आजादी का महत्व क्या है यह हमें पता होना चाहिए क्योंकि कितने महान लोगों ने अपना बलिदान आजादी के लिए दिया है। हमें अपने अतीत को हमेशा याद रखना चाहिए। कार्यक्रम में 2100 तिरंगों का वितरण भी किया गया। इसके साथ ही दो नाटकों तथा गीतों का संस्कृत एवं हिंदी में भी प्रस्तुतीकरण किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, चरण सिंह लिसाड़ी, कार्यक्रम के संयोजक एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष डॉ वाचस्पति मिश्र ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में चोटीपुरा गुरुकुल, ज्योतिबा फुले नगर की छात्राएं तथा मेरठ की नाट्य संस्था के छात्र छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला (ऊपर बाएं), साथ हैं मंत्री असीम अरुण। तिरंगा लेकर उपस्थित युवा (बाएं) और नाटक प्रस्तुत करते कलाकार।

भारत छोड़ो आंदोलन के योगदान पर संगोष्ठी

स्वतंत्रता प्राप्ति में हुए विराट संघर्ष में ज्ञात, अज्ञात और अल्पज्ञात लाखों बलिदानियों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण न्योछावर किए थे। यह आजादी बड़े भारी संघर्ष के बाद हमें प्राप्त हुई है। वर्तमान में युवाओं की अधिक जिम्मेदारी है कि इस आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने केलिए हम अपने देश को सभी पक्षों में सशक्त, संबल और उन्नत बनाने में सतत् प्रयास करते रहें। आजादी बहुमूल्य है। अपने स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर हमें आगे बढ़ते रहना है। ये उद्गार चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से भारत छोड़ो आंदोलन 1942 की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने व्यक्त किये।

संगोष्ठी का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम श्रृंखला के तहत हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने की। प्रोफेसर वाई. विमला ने स्वतंत्रता संघर्ष में बलिदानियों की वीर गाथा पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध इतिहासकार प्रोफेसर सुमंगल प्रकाश ने भारत छोड़ो आंदोलन कब, क्यूं, कैसे और क्यों और उसकी प्रकृति व उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि गांधी जी ने करो या मरो का नारा एक सुनियोजित योजना के तहत दिया था। परिषद के समन्वयक और इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विघ्नेश कुमार ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में मेरठ मंडल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से सहभागिता करने वाले प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान की चर्चा की।

भारत छोड़ो आंदोलन के योगदान पर हुई संगोष्ठी का दीप जलाकर शुभारंभ करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के चार सत्र संपन्न हुए जिसमें लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक शोध पत्रों का वाचन हुआ। प्रथम शैक्षणिक की अध्यक्षता डॉ. मोहित कुमार चेयरपर्सन, डॉ. रत्ना प्रकाश, डॉ. योगेश कुमार, डॉ. शुचि, तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. सी. एस. भारद्वाज, रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर ए.वी. कौर, चौथे सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर विघ्नेश कुमार, रिसोर्स पर्सन डॉक्टर एवं डॉ. शाजिया रहीं। संचालन साहित्यिक व सांस्कृतिक परिषद के सदस्य डॉ. कुलदीप कुमार त्यागी ने किया। इस अवसर पर डॉ. योगेश कुमार, डॉ. विवेक कुमार, सुशील कुमार, दीपक कुमार, रिंकू विकास, कमलकांत, कालूराम सहित करीब 150 व्यक्ति उपस्थित थे।

तिरंगा हमारी शान...

दस अगस्त को विश्वविद्यालय में निकली प्रभात फेरी के दौरान बच्चों, बड़ों, पुरुषों, स्त्रियों, सभी का जोश देखते ही बनता था। इस दौरान लोगों के हाथों में झंडा था तो चेहरे पर देशभक्ति की चमक थी।

विभाजन की आप बीती सुन नम हो गई आंखें

इतिहास विभाग में 'भारत विभाजन विभीषिका : स्मृति एवं संस्मरण' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 'भारत विभाजन विभीषिका : स्मृति एवं संस्मरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से 14 अगस्त को विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के बंदा वीर बैरागी सभागार में हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विभाजन की त्रासदी, पीड़ा, अपनों को खोने व अपनी जमीन को हमेशा के लिए खो देने का जो दर्द, जो पीड़ा हमारे पूर्वजों ने सही, उसको अपनी स्मृति में बनाए रखने व उससे सीख लेने की बात पर बल दिया।

इतिहास विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करतीं (बाएं) कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। संगोष्ठी में मेरठ से लाल किला दिल्ली तक की पदयात्रा में शामिल पदयात्रियों को तिरंगा पटका पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में सरदार मनमोहन सिंह आहूजा ने विभाजन के समय किस स्थिति से हिंदू समाज गुजरा और आप बीती, संस्मरण सुना कर लोगों की आंखों को नम कर दिया। कर्नल सुरिनद्र वैध, कमांडेंट के.बी. दत्ता ने भी विभाजन के समय उनके परिवार पर क्या गुजरी और किन स्थितियों में अपनी जान बचा कर भागकर भारत आना पड़ा, विस्तार पूर्वक उस समय की घटनाओं पर प्रकाश डाला।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के चार सत्र संपन्न हुए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ कुलदीप कुमार त्यागी ने की। रिसोर्स पर्सन डॉक्टर योगेश कुमार, डॉक्टर अल्पना पोसवाल थीं। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉक्टर विप्लव सिंह ने की। रिसोर्स पर्सन डॉ शिवानी त्यागी एवं सुनील चड्ढा थे। तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर वाई. विमला ने की। रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर आराधना, प्रोफेसर ए.वी. कौर व वक्ता प्रोफेसर केडी शर्मा, प्रोफेसर सुमंगल प्रकाश, सरदार मनमोहन सिंह आहूजा रहे। चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने की। रिसोर्स पर्सन लेफ्टिनेंट कर्नल अमरदीप, डॉक्टर शुचि, वक्ता कर्नल सुरिनद्र वैद्य, कमांडेंट बी.के. दत्ता, पूर्व कमिश्नर आरके भटनागर रहे।

चतुर्थ सत्र का संचालन साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक और इस कार्यक्रम के संयोजक व इतिहास विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विघ्नेश कुमार ने किया। प्रथम सत्र का संचालन डॉक्टर शुचि, द्वितीय सत्र का संचालन डॉ कुलदीप कुमार त्यागी व तृतीय सत्र का संचालन डॉक्टर योगेश कुमार ने किया।

इस अवसर पर भारत विभाजन त्रासदी से प्रभावित समस्त महानुभावों व उनके परिजनों को शॉल ओढाकर व श्रीफल भेंट कर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार वर्मा, प्रोफेसर वाई. विमला, प्रोफेसर विघ्नेश कुमार, सेवानिवृत्त आईएएस आरके भटनागर ने सम्मानित भी किया।

इससे पूर्व अट्ठारह सौ सत्तावन की 165वीं वर्षगांठ के अवसर पर मेरठ से लाल किला दिल्ली पदयात्रा में शामिल समस्त पदयात्रियों को तिरंगा पटका पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, प्रोफेसर वाई. विमला ने सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया। इसके पश्चात कुलपति ने साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की अध्यक्षा प्रोफेसर वाई. विमला को अभिनंदन पत्र, शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत भारत विभाजन विभिषिका से संबंधित चित्रों, तस्वीरों, पेंटिंग्स का प्रदर्शन भी किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन व निरीक्षण समस्त अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभाजन त्रासदी वाले परिवारों के वंशज, शोधार्थी विद्यार्थी सहित लगभग 156 व्यक्ति उपस्थित रहे।

उन्नत भारत अभियान टीम द्वारा गांवों में झंडे का वितरण किया गया।

उन्नत भारत अभियान टीम ने गांवों में झंडों का वितरण किया

मेरठ। विश्वविद्यालय की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चलाये गए उन्नत भारत अभियान के तहत चयनित कौल, मसूरी, भदौरा आदि गांवों में आशुतोष मिश्रा, समन्वयक उन्नत भारत अभियान टीम द्वारा झंडे का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोफेसर हरे कृष्णा, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नीरज सिंघल, संजीव चौधरी, प्रवेश कुमार, प्रवीन भदौर, धर्मेंद्र कुमार आदि का सहयोग रहा।

अमृत महोत्सव के तहत रोपे 75 पौधे

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शनिवार 13 अगस्त को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के उद्यान विभाग, हिंदी समाचार पत्र हिन्दुस्तान और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में परिसर में 75 पौधे रोपे गए। स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम क्रांति, भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन और 15 अगस्त को मिली आजादी के नाम पर रोपे गए इन पौधों में मंत्री, जनप्रतिनिधि, प्रशासन और प्रमुख संस्थाओं के पदाधिकारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। भाजपा नेता कमल दत्त शर्मा 101 फुट लंबे तिरंगे के साथ पौधे रोपने पहुंचे। सभी पौधे कंप्यूटर सेंटर के पास स्थित पार्क में रोपे गए।

कार्यक्रम में पौधा रोपते प्रदेश सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर (ऊपर)। इस कार्यक्रम में लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

खूब रही भागीदारी

राज्यसभा सांसद डॉ.लक्ष्मीकांत वाजपेयी और कांता कर्दम, प्रदेश सरकार में ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ.सोमेंद्र तोमर, जल शक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, सरधना विधायक अतुल प्रधान, जिला सहकारी बैंक चेयरमैन मनिंदर पाल सिंह, जिला पंचायत चेयरमैन गौरव चौधरी, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल और भाजपा नेता कमल दत्त शर्मा, वीनस शर्मा, अंकुर कुशवाहा,विनय विरालिया आदि ने अमृत महोत्सव में पौधा रोपा।

कमिश्नर सुरेंद्र सिंह, डीएम दीपक मीणा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण,एडीएम प्रशासन अमित सिंह, डीएफओ राजेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त ब्रजपाल सिंह,चौधरी चरण सिंह विवि में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ.वाई विमला, चीफ प्रॉक्टर प्रो.वीरपाल, उद्यान अधिकारी प्रो.जितेंद्र ढाका, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार, डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ.जमाल अहमद सिद्दीकी, इंजीनियर मनीष मिश्रा, वन क्षेत्राधिकारी नवरत्न सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक मेडिकल संत शरण, वन दारोगा मोहन सिंह, डॉ.अनिल नौसरान, अजय सेठी और अशोक शर्मा,दीपक कुमार ने अमृत महोत्सव के लिए पौधे रोपे। पार्क में बरगद, पीपल और पाकड़ के पौधे रोपकर हरिशंकरी वाटिका की स्थापना की गई।

स्वतंत्रता के इतिहास एवं महत्व को जन–जन तक पहुंचाएं

विश्वविद्यालय में मनाए गए स्वतंत्रता दिवस समारोह में कुलपति ने किया आह्वान

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हुए आयोजन में सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं और तिरंगा फहरातीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला (बाएं) तथा आयोजन में मौजूद विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षकगण।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो० संगीता शुक्ला के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने प्रातः 8:30 बजे परिसर में स्थित महान क्रांतिकारियों सरदार भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव, सुभाषचंद्र बोस, धनसिंह कोतवाल, मंगल पाण्डे एवं महापुरूषों में स्वामी विवेकानंद, चौधरी चरण सिंह, भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर तथा राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। गार्ड आफ ऑनर के पश्चात कुलपति महोदया द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो० संगीता शुक्ला ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि देश की आजादी में योगदान देने वाले सभी अमर शहीदों, क्रांतिकारियों एवं महापुरूषों के योगदान को आज समूचा देश याद कर रहा है। हमें जो आजादी मिली वह अनेक महान विभूतियों के अनथक प्रयासों का प्रतिफल है। शैक्षणिक संस्थाओं का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह स्वतंत्रता के इतिहास एवं महत्व को जन–जन तक पहुंचाएं। हमारा विश्वविद्यालय इस बात के लिए और भी अधिक प्रतिबद्ध है क्योंकि आजादी के आंदोलन का बिगुल इसी क्रांतिधरा से बजा था।

उन्होंने कहा कि हम आज के दिन यह निश्चय करें कि भारत को पुनः विश्व गुरु बनाना है, इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करना होगा। हमारा विश्वविद्यालय शोध एवं अकादमिक के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है लेकिन वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और अधिक सुदृढ करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध एवं नवाचार करने होंगे। हम निरन्तर प्रयास कर रहे हैं कि अपने विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय संसाधन उपलब्ध कराते हुए उन्हें उच्चस्तरीय शिक्षा दे सकें जिससे वह दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों में अपनी योग्यता सिद्ध करते हुए अपना स्थान बना सकें।

इसके उपरान्त कुलसचिव धीरेन्द्र कुमार ने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी संदेश का वाचन किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को विभिन्न संस्थाओं द्वारा उनके सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रो० वाई विमला, प्रो० भूपेन्द्र कुमार, प्रो० बीरपाल, प्रो० विघ्नेश कुमार सहित सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हुए आयोजन में शिक्षकों, कर्मचारियों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा उनके सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कवि सम्मेलन में खूब बही देशभक्ति की बयार

देश के प्रसिद्ध कवियों व शायरों ने अपनी रचनाओं से ऐसा माहौल बनाया कि हर कोई देशभक्ति के रंग में रंग गया। रविवार 14 अगस्त की देर रात तक चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में चले भव्य कार्यक्रम में भारत माता के जयकारे गूंजते रहे। अवसर था अमर उजाला समाचार पत्र द्वारा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के सहयोग से हुए कवि सम्मेलन और मुशायरे का। इस आयोजन में प्रख्यात कवि डॉ. हरिओम पंवार, डॉ. नवाज देवबंदी, गीतकार रुचि चतुर्वेदी, शायर डॉ. खुर्शीद हैदर, हास्य कवि महेंद्र अजनबी, वीर रस के कवि डॉ. अर्जुन सिसौदिया ने अपनी रचनाओं से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं प्रदेश के जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक, ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और अन्य कई विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन करके किया।

दीप प्रज्जवलित करते (बाएं से) कुलपति प्रो० संगीता शुक्ला, राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर व दिनेश खटीक तथा श्रम कल्याण परिषद अध्यक्ष सुनील भराला। कवि सम्मेलन में दर्शक (दाएं)।